गैरचीनी भाषी विद्यार्थियों के लिए
चीनी भाषा पाठ्यक्रम की पूरक निदेर्शिका विकसित करने हेतु प्रपत्र

कार्यकारी सारांश

प्रस्तावना

1. प्रस्तावना में गैरचीनी भाषी विद्यार्थियों के लिए चीनी भाषा पाठ्यक्रम की पूरक निर्देशिका विकसित करने से संबंधित आधारभूत सूचनाएं सारांश रूप में दी गी हैं। प्राथमिक रूप से चार पाठ्यक्रम अधिगमों की अनुशंसा की गी है : चीनी भाषा की कक्षाओं में तल्लीनता, अंतर्वर्ती, द्वितीय भाषा के रूप में अध्ययन, उपर्युक्त अधिगमों का समन्वित प्रयोग।

अध्याय एक : परिचय

2. हांगकांग की पाठ्यक्रम विकास परिषद द्वारा निर्मित चीनी भाषा पाठ्यक्रम एक ऐसा लचीला और संतुलित पाठ्यक्रम का ढांचा प्रस्तुत करता है जो तमाम प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के लिए उपयुक्त है। इस कंद्रीय चीनी भाषा पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यालयों को छात्रों की विविध शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुसार अपना पाठ्यक्रम अपनाना चाहिए।

3. इस पूरक पुस्तिका को विकसित करने का लक्ष्य सामान्य पाठ्यक्रम निर्माण परिषद के अंतर्गत निर्मित पाठ्यक्रम ढांचा के अनुसार गैरचीनी छात्रों के शैक्षिक संदर्भ में विद्यालयों में चीनी भाषा पाठ्यक्रम लागू करने हेतु सिद्धांतों, रणनीतियों एवं अनुशंसाओं की संपूर्ति करना है।

4. आंकड़े बताते हैं कि गैरचीनी छात्रों द्वारा बोली जानेवाली पांच प्रमुख भाषाएं उर्दू, अंग्रेज़ी, नेपाली, तागलांग और हिन्दी हैं।

5. हांगकांग की भाषा शिक्षा नीति छात्रों की भाषिक निपुणता को बढ़ाने, उन्हें द्विभाषी (चीनी और अंग्रेज़ी में) एवं त्रिभाषी (कैंटोनीज़, पुतुंह्वा और अंग्रेज़ी में) बनाने की है। हांगकांग के समाज में बेहतर संघटन के लिए कैंटोनीज़ तथा परम्परागत अक्षरों को सीखना गैरचीनी छात्रों के हित में है जिन का चीनी पाठों एवं सम्पूर्ण समुदाय में बड़े पैमाने पर उपयोग होता है।

अध्याय दो : चीनी भाषा एवं चीनी भाषा शिक्षण

6. आधुनिक चीनी भाषा स्वरमूलक, रूपरचना की दृष्टि से अयोगात्मक एवं एकाक्षरीय है। इस में शब्द-क्रम कर्ता-क्रिया-कर्म वाला है। अनुवर्ग यहां आवश्यक हैं, विशेषकों को विशेष्य के पहले रखा जाता है और व्यंजन अयुग्मित होते हैं।

7. चीनी से अपनी मातृभाषाओं के अंतर से प्रभावित होने के चलते गैरचीनी भाषी छात्रों को चीनी ग्राफ़िम, अनुतान, शब्दावली, विशेषकों, शब्द-क्रम आदि सीखने में कठिनाइयों का सामना करना होगा।

अध्याय तीन : गैरचीनी भाषी छात्रों का चीनी भाषा सीखने का अनुभव

8. पूरक निर्देशिका विकसित करने हेतु हमने विशेषज्ञों को अनुभवाश्रित शोध के लिए नियुक्त किया है और विभिन्न क्षेत्रों में द्वितीय भाषा के रूप में चीनी के शिक्षण के अनुभवों का अध्ययन किया है। इन निष्कर्षों ने हमारे अनुसंशित पाठ्यक्रम अधिगमों को समृद्ध किया है।

9. गैरचीनी छात्रों के चीनी भाषा शिक्षण के सफल अनुभवों में तल्लीनतापूर्ण शिक्षण, भाषिक वातावरण निमार्ण, निरंतर मूल्यांकन एवं सामयिक पुनर्निवेशन शामिल हैं। मुख्य चिंताओं में शैक्षिक अवसर, आकांक्षा, सीखने की गति, शैक्षिक कार्यक्रमों की उपयुक्तता, परीक्षाएं एवं निर्गमन, जातीयता एवं संस्कृति, परिवार का समर्थन तथा अन्य के साथ सम्प्रेषण शामिल हैं।

10. समर्थन के वर्तमान मानदण्डों में नामित विद्यालय, विविध अनुदान, अधिष्ठापन कार्यक्रम, पूरक कार्यक्रम, प्रवर्तन कार्यक्रम, शिक्षक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, विद्यालय संजाल, विद्यालयीन समर्थन, चीनी भाषा अध्ययन केंद्र, उत्कृष्ट शिक्षा निधि परियोजनाएं आदि शामिल हैं।

11. विद्यालयों द्वारा पाठ्यक्रम अपनाये जाने को तीन रूपों श्रेणीबद्ध किया जा सकता है : चीनी के पाठों में तल्लीनता, अंतर्वर्ती अधिगम, द्वितीय भाषा के रूप में अध्ययन।

अध्याय चार : मुख्य अनुशंसाएं----वर्तमान अनुभवों एवं शोध पर आधारित

12. विद्यालय लचीलेपन के साथ निम्नलिखित पाठ्यक्रम अधिगमों को अपना सकते हैं ----

- अधिगम 1 : चीनी पाठों में तल्लीनता

  अधिगम का विवरण : गैरचीनी भाषा भाषी छात्र चीनी भाषी छात्रों के साथ पढ़ रहे हैं। विद्यालयों को छात्रों की चीनी सीखने हेतु विविध आवश्यकताओं को पूरा करना पड़ सकता है और इसके अन्तर्गत चीनी पाठों में तल्लीनता के लिए कक्षा से बाहर केंद्रित सहायक शिक्षण मुहैया करवा सकता है।

  विद्यमान स्थितियां : किशोर वय से पूर्व हांगकांग आये छात्र चीनी भाषा के सम्पर्क में जल्द आये, उन्होंने किंडरगार्टन में चीनी सीखी और चीनी सीखने के लिए आवश्यक स्तर तक लगभग पहुंच गये।

  लाभ : चीनी भाषा का समृद्ध वातावरण, अभिजात सहायता, जातीय समरसता, भिन्न संस्कृतियों में एकता।

  चुनौती : चीनी भाषी छात्रों के साथ चीनी भाषा पढ़ने वाले गैरचीनी छात्र प्रतिवैधानिक कार्यक्रमों की मांग करते हैं और उन के लिए निदानपरक मूल्यांकन के औज़ारों की ज़रूरत होती है।

- अधिगम 2 : ब्रिजिंग / अंतर्वर्ती

  अधिगम का विवरण : गैरचीनी छात्र सापेक्षतः कम अवधि (कुछ माह से एक वर्ष तक) के लिए चीनी भाषा का गहन अध्ययन करेंगे जब तक कि विद्यालय के अन्य छात्रों के साथ पढ़ने लायक उनका स्तर नहीं हो जाता।

विद्यमान स्थितियां : छात्र किशोर वय में हांगकांग पहुंचे, चीनी भाषा के सम्पर्क में देर से आये और हांगकांग के शिक्षा तंत्र में रहना चाहते हैं। साथ ही उन क्षेत्रों में नौकरी प्राप्त करना चाहते हैं जिन में मौखिक एवं लिखित चीनी में प्रवीणता अनिवार्य है।

लाभ : विद्यालय केंद्रित शिक्षण, गहन शिक्षण उपलब्ध कराते हैं, अपनाने के लिए बहुत समय देते हैं तथा आरम्भ में चीनी भाषा के निम्न स्तर को भी मान्यता देते हैं।

चुनौती : निदानपरक मूल्यांकन के औज़ार की ज़रूरत, निचले स्तर की भाषा-प्रवीणता को अपनाना।

- अधिगम 3 : द्वितीय भाषा के रूप में अध्ययन

  अधिगम का विवरण : छात्रों को द्वितीय भाषा के रूप में चीनी सीखने की प्रक्रिया को सुकर बनाने हेतु दैनिक संदर्भों से संबंधित संप्रेषण पर बल है।

  विद्यमान स्थितियां : अध्ययन के उपरांत लौटे हुए छात्र अथवा तात्कालिक निवासी जो हांगकांग छोड़ने के बाद वहां की शिक्षा-प्रणाली में रहने तथा नौकरी के आकांक्षी नहीं हैं, अथवा जो छात्र किशोर वय में हांगकांग आये और चीनी भाषा के सम्पर्क में देर से आये, किंतु हांगकांग की शिक्षा-प्रणाली में रहने या उन क्षेत्रों में नौकरी प्राप्त करने की उन की कामना नहीं है जिन में मौखिक एवं लिखित चीनी भाषा में प्रवीणता आवश्यक है।

  लाभ : छात्रों के लिए सीखने में आसानी, सम्प्रेषण पर बल, कम सीखने को मान्यता और निम्न उपलब्धियां।

  चुनौती : सामाजिक संप्रेषण की मूलभूत आवश्यकता का निदान।

- अधिगम 4 : उपर्युक्त अधिगमों का समन्वित प्रयोग

  अधिगम का विवरण : विभिन्न आवश्यकताओं, आकांक्षाओं एवं एक ही विद्यालय में गैरचीनी छात्रों के विकास के उपयुक्त विद्यालय के लिए ज़रूरी हो सकता है कि उपर्युक्त एकाधिक अधिगमों को अपनाया जाय।

  विद्यमान स्थितियां : विद्यालय में बड़ी संख्या में विविध पृष्ठभूमियों, विभिन्न पारिवारिक आकांक्षाओं एवं आवश्यकताओं तथा विस्तृत क्षेत्र के चीनी भाषा स्तर के छात्रों की भरती।

  लाभ : विद्यालय प्रत्येक छात्र की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर सकता है।

  चुनौती : विविध आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु विभिन्न लक्ष्यों को ध्यान में रखकर अनेक कार्यक्रम बनाने के लिए अधिक संसाधन के आवंटन की आवश्यकता।

13. गैरचीनी छात्रों के लिए बहुविध निर्गम : (अनुसंशित अधिगमों, मूल्यांकन एवं निर्गम के संरेखण हेतु अगले पृष्ठ पर चित्र देखिये।)

चीनी भाषा में उपाधियां : हांगकांग की शैक्षिक परीक्षा का प्रमाणपत्र (एच. के. सी. इ. इ.), हांगकांग की उच्चस्तरीय परीक्षा (एच. के. ए. एल. इ.), हांगकांग की माध्यमिक शिक्षा की उपाधि (एस. के. डी. एस. इ.), शिक्षा का सामान्य प्रमाणपत्र (जी. सी. इ.), माध्यमिक शिक्षा की सामान्य अंतर्राष्ट्रीय

उपाधि (आइ. जी. सी. एस. इ.), माध्यमिक शिक्षा की सामान्य उपाधि (जी. सी. एस. इ.) ।

14. विद्यालयों को अतिरिक्त सहयोग :

- गैरचीनी छात्रों के लिए पाठ्यक्रम संसाधनों का विकास : मूल शब्दावलियां, सांफ्टवेयर, विद्यालयीन पाठ्यक्रम योजना के अपनाये गये उदाहरण, अध्ययन एवं शिक्षण आदर्श, अध्ययन सामग्री, सीखने हेतु मूल्यांकन के औज़ार, आदि।
- निरंतर विद्यालयीन सहयोग।
- गैरसरकारी संगठनों तथा अन्य संस्थाओं के साथ सहयाग-योजनाएं।
- शिक्षकों के पेशेवर विकास कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन।

अध्याय पांच : मूल्यांकन एवं पुनरीक्षण

15. विभिन्न क्षेत्रों के दावेदारों के साथ मिलकर शिक्षा ब्यूरो इन अनुशंसाओं के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा करता रहेगा और विविध शोध एवं विकास परियोजना शुरू करेगा। जैसे अंतर्वर्ती कार्यक्रमों का विकास, अध्ययन सामग्री की समीक्षा, गैरचीनी छात्रों के चीनी भाषा के स्तरों का अध्ययन, मूल्यांकन के औजारों तथा पैकेज सामग्री का विकास। कार्यान्वयन के प्रभावों की दृष्टि से हम विकास की रणनीतियों में उपयुक्त समंजन करेंगे।

अधिगम, मूल्यांकन एवं निर्गम

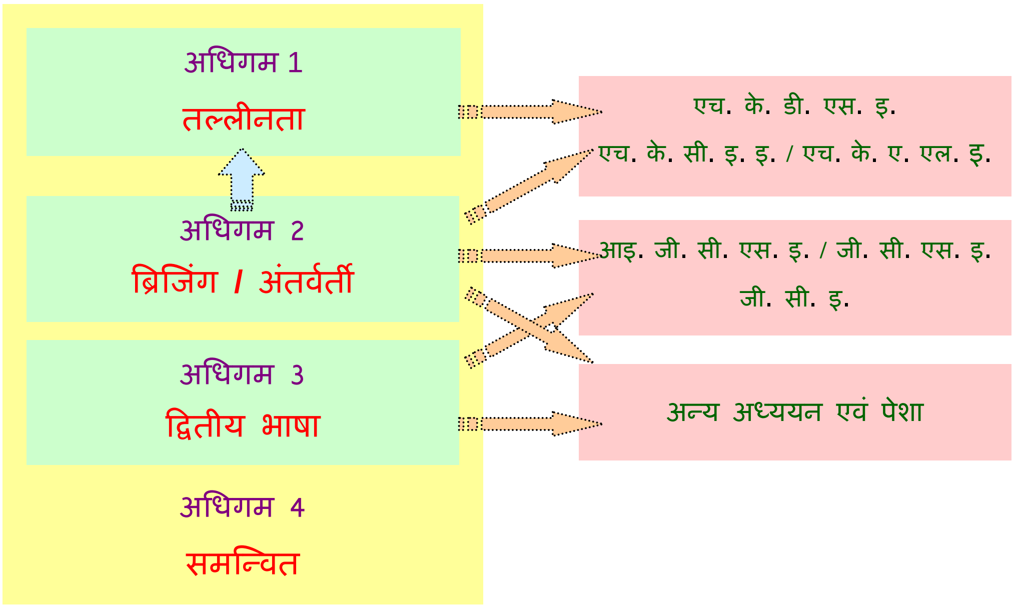

शिक्षा ब्यूरो
हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार
जनवरी 2008

यह अनुवादित पाठ मूल चीनी भाषा में लिखित पाठ के आधार पर तैयार किया गया है। यदि इस पाठ के कारण कोई भ्रम उत्पन्न होता है, तो मूल चीनी पाठ ही प्रामाणिक माना जायेगा।